"दक्षिण कोरिया और भारत का अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के बारे में एक समान दृष्टिकोण है" - लोक सभा अध्यक्ष

कैंप: सियोल, 28 सितम्बर, 2016 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, ने आज सियोल में कोरिया गणराज्य की नेशनल असेंबली के स्पीकर, चुंग स्ये-क्युन से मुलाक़ात की।

इस अवसर पर श्रीमती महाजन ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत का अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के बारे में एक समान दृष्टिकोण है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश इस मुद्दे और निरस्त्रीकरण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) की सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए दक्षिण कोरिया को धन्यवाद दिया। चूँकि कोरिया इस समय एनएसजी की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए श्रीमती महाजन ने एनएसजी में शामिल सरकारों तक पहुँचने के लिए कोरिया से अधिक सहायता करने का आग्रह किया ताकि भारत को एनएसजी में सदस्यता शीघ्र प्राप्त हो सके।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत लगभग 2000 वर्ष पुराने मित्रता के ऐतिहासिक द्विपक्षीय संबंधों को महत्त्व देता है, श्रीमती महाजन ने कहा कि राजकुमारी सुरिरत्न और बौद्ध भिक्षु ह्यचो भारतीयों को साझी विरासत और ऐतिहासिक संबंधों की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान् बुद्ध के शाश्वत दर्शन से दोनों देशों के लोगों के जीवन और विचारधारा प्रभावित हुई है। आधुनिक काल में, भारत और दक्षिण कोरिया दोनों का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त है।

श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि भारत की 'लुक ईस्ट' नीति विकसित होकर 'एक्ट ईस्ट' होने से हमारी रणनीतिक सोच और आर्थिक संबंधों के मामले में इस क्षेत्र का महत्त्व और भी बढ़ गया है।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि प्रधान मंत्री मोदी की मई, 2015 की सफल यात्रा के दौरान भारत-दक्षिण कोरिया संबंध 'विशेष रणनीतिक भागीदारी' में बदल गए, श्रीमती महाजन ने कहा कि विशेष रणनीतिक भागीदारी से इस बात का पता चलता है कि दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को बहुत महत्त्व देते हैं।

श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि भारत साझे हित के क्षेत्रों में कोरिया के साथ नई भागीदारी का इच्छुक है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' पहल में भारतीय उद्यमियों के साथ जुड़ने के लिए कोरियाई निवेशकों और उद्यमियों को आमंत्रित किया और कहा कि कोरिया कौशल विकास, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटीज आदि जैसे भारत के कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भागीदार हो सकता है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के अलावा, दोनों देश रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा सकते हैं और यह कि भारत कोरियाई रक्षा प्रौद्योगिकी, समुद्री जहाज निर्माण और अन्य क्षेत्रों में रूचि ले रहा है। श्रीमती महाजन का मत था कि भारत के उच्च कौशलों से सम्पन्न युवा, यहां के बड़े बाजार और सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में हमारी श्रेष्ठता का मेल यदि कोरियाई प्रौद्योगिकी, औद्योगिक अनुभव और पूँजी के साथ होता है, तो यह बहुत सफल सिद्ध होगा।